

प्रेषक,

ओम प्रकाश,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, उत्तराखण्ड,
उद्यान भवन, चौबटिया, रानीखेत।

उद्यान एवं रेशम अनुभाग—1

देहरादून: दिनांक 12 अगस्त 2013

विषय:—विभाग में पंजीकृत नॉन एकीडिटिड नर्सरियों से फल पौधे कय करने तथा एकीडिशिन पंजीकरण से वित्तीय वर्ष 2013-14, को मुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-287/एचडीएस/2013-14, दिनांक-06 जुलाई 2013 का सदर्थ ग्रहण करने का कष्ट करें जिसके माध्यम से विभाग में पंजीकृत नॉन एकीडिटिड नर्सरियों से फल पौधे कय किये जाने एवं एकीडिशिन पंजीकरण से वित्तीय वर्ष 13-14 में मुक्त किये जाने का अनुरोध किया था।

इस सम्बन्ध में शासन स्तर पर सम्यक् विचारोपरान्त मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वेजीटेबल हेतु एकीडेटेड नर्सरियों से पौध कय करने के प्रतिबन्ध से एक वर्ष के लिए छूट इस शर्त के साथ प्रदान की जाती है कि इन नर्सरियों से वेजीटेबल की पौध कय करने हेतु एक तकनीकी टीम गठित कर उससे जाँच कराकर रिपोर्ट के आधार पर कय किया जायेगा तथा इसी बीच एकीडेशन की कार्यवाही भी प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण की जानी सुनिश्चित की जायेगी। एकीडेटेड नर्सरियों से पौध कय करने की यह छूट अंतिम बार होगी एवं भविष्य में इस प्रकार की कोई छूट प्रदान नहीं की जायेगी। राज्य की प्राईवेट नर्सरीज के एकीडेशन कराने का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जायेगा एवं एकीडेशन की कार्यवाही प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित की जायेगी।

फल पौध हेतु एकीडेशन के प्रतिबन्ध से छूट प्रदान किया जाना उचित नहीं है, क्योंकि फल उपज Perennial है तथा गुणवत्तायुक्त पौध न होने पर कृषकों, बागवानों को अपूर्तिनीय क्षति का सामना करना पड़ सकता है।

अतएव उक्तानुसार अग्रेत्तर कार्यवाही सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

भवदीय,

(ओम प्रकाश)
प्रमुख सचिव।

5/15/2013

संख्या-143 /XVI(1)/13/12(4)/2013, तददिनांकित।

प्रतिलिपि:—निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:—

- 1- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 2- निदेशक, बागवानी मिशन, राजकीय उद्यान सर्किट हाउस, देहरादून।
- 3- निजी सचिव, मा0 उद्यान मंत्री को मा0 उद्यान मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
- 4- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(कवीन्द्र सिंह)
अनु सचिव।